

तम्बाकू सेवनकर्ता का शरीर



मस्तिष्क

- धूम्रपान (या तम्बाकू) मस्तिष्क आघात का कारण हो सकता है ।
- निकोटिन, कार्बन मोनोऑक्साइड तथा अन्य रसायन रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुँचाते हैं और रक्त का थक्का जमाते हैं ।
- तम्बाकू में पाये जानेवाले रसायन, तम्बाकू सेवन का लत डालते हैं ।
- निकोटिन मस्तिष्क की क्रिया को प्रभावित करता है ।

आँख

- तम्बाकू आँख के पिछले हिस्से को अपरिवर्तनीय क्षति पहुँचाता है ।
- धूम्रपान एवं चबानेवाला तम्बाकू मोतियाबिन्द के विकास में भी सहायक होते हैं (एक ऐसी स्थिति, जो अंधेपन को जन्म देती है) ।
- तम्बाकू के कुछ रसायन जैसे-अमोनिया और फॉर्मलडिहाइड आँखों में जलन पैदाकर परेशानी का कारण बनते हैं ।

फेफड़ा

- सभी कैंसरों में, फेफड़े का कैंसर मौत का मुख्य कारण है । १० में से ९ फेफड़े का कैंसर तम्बाकू से होता है ।
- तम्बाकू में पाये जाने वाले रसायन फेफड़े के उत्तकों को क्षति पहुँचाते हैं जिसके कारण वायुनलियाँ पतली हो जाती हैं जो फेफड़ा से संबंधित लम्बी बीमारियों को जन्म देती हैं ।
- धूम्रपान दमा और ब्रोंकाइटिस की स्थिति को बदतर कर देता है ।
- तम्बाकू टी० बी० होने के खतरे को बढ़ा देता है ।

मुँह और गला

- तम्बाकू मुँह और गले के कैंसर का मुख्य कारण है ।
- चबानेवाला तम्बाकू से सब-म्यूकस फिब्रोसिस होती है (कैंसर से पहले की स्थिति) जो बहुत दर्दनाक होती है ।
- धूम्रपान से कंठ का कैंसर होता है ।
- धूम्रपान और चबानेवाला तम्बाकू से साँस की बदबू, दाँत के धब्बे और मसूड़ों में दर्द होता है ।

हृदय

- तम्बाकू हृदयाघात (हार्टअटैक) और हृदयशूल (एंजाइना) के खतरे को बढ़ा देता है ।
- तम्बाकू में पाये जानेवाले रसायनों धमनियों को संकीर्ण एवं नुकसान पहुँचाते हैं तथा रक्त के थक्का बनने की प्रक्रिया को बढ़ा देते हैं ।
- सिगरेट में पाया जानेवाला कार्बन मोनोऑक्साइड हृदय में पहुँचनेवाले ऑक्सीजन के मात्रा को घटाता है ।
- निकोटिन हृदयगति और रक्तचाप (ब्लडप्रेसर) को बढ़ा देता है ।

पेट

- अमाशय (पेट) का कैंसर संसार का दूसरा मुख्य प्रकार का कैंसर है ।
- तम्बाकू सेवन अमाशय (पेट) का कैंसर एवं पेटिक अल्सर के खतरे को बढ़ा देता है।

बाह्य संवहनी बीमारियाँ

- धूम्रपान पैर के धमनियों, शिराओं और स्नायु तंत्रिकाओं में लहर एवं सूजन पैदा करता है, जिसके कारण रक्त प्रवाह काफी कम हो जाता है तथा प्रभावित पैर को काटना पड़ता है ।

प्रजनन तंत्र

- तम्बाकू पुरुष और स्त्री दोनों में ही जनन क्षमता का ह्रास करता है ।
- धूम्रपान और चबानेवाला तम्बाकू शुक्राणु की गुणवत्ता को प्रभावित करता है, शुक्राणुओं की संख्या और वीर्य की मात्रा को घटा देता है ।
- धूम्रपान शुक्राणु के स्वरूप को विकृत करते हैं और डी० एन० ए० को क्षति पहुँचाता है ।
- यह पुरुषों में उत्तेजना में कमी के खतरे को बढ़ा देता है ।